Self Respect

02-06-2014

✓बच्चे जानते हैं, हम फूल बने थे ज़रूर | गुलाब के फूल, मोतिये के फूल भी बने थे अथवा हीरे भी बने थे, अब फिर बन रहे हैं |

✓दुनिया के मनुष्यों की तो बात ही अलग है | तुम अभी मनुष्य तो नहीं हो ना | तुम हो ब्राह्मण |

✓यह तो बच्चे जानते हैं हम सारी दुनिया से न्यारे हैं | यहाँ एक जैसे एक ही ब्राह्मण कुल बैठा हुआ है | शुद्र कुल में है मनुष्य मत | ब्राह्मण कुल में है ईश्वरीय मत |

✓ऊँच ते ऊँच है भगवान्, तो हम उनके बच्चे भी उनकी मत पर हैं | मनुष्य मत पर हम चलते नहीं, ईश्वरीय मत पर चल हम देवता बनते हैं | मनुष्य मत बिल्कुल छोड़ दी है |

✓तुम कहेंगे हम हैं ईश्वरीय मत पर | प्रेरणा की बात नहीं | बेहद के बाप ईश्वर से हम समझे हुए हैं

✓अभी तुम बच्चे विशाल बुद्धि बने हो | बाप नई बातें समझाते हैं नई दुनिया के लिए और फिर बताने वाला भी नया है | मनुष्य तो सबसे रहम मांगते रहते हैं | अपने में ताक़त नहीं है, जो अपने पर रहम करें | तुमको ताक़त मिलती है

✓बाप साफ़ कहते हैं हम हथेली पर बहिश्त ले आता हूँ | वो लोग हथेली से केसर आदि निकालते हैं, यहाँ तो पढ़ाई की बात है | यह है सच्ची पढ़ाई | तुम समझते हो हम पढ़ रहे हैं |

✓तुम हो संगमयुगी ब्राह्मण | यह पुरानी रावण की दुनिया है | हम वाया शान्तिधाम, सुखधाम तरफ़ जायेंगे | बच्चों को यही याद रखना पड़े |

✓यह सब गुप्त बातें हैं | नॉलेज भी गुप्त है | यह भी जानते हैं कल्प पहले जिसने जितना पुरुषार्थ किया है, वही कर रहे हैं | ड्रामा अनुसार बाप भी कल्प पहले मुआफ़िक समझाते रहते हैं, इसमें फ़र्क नहीं पड़ सकता है

✓बाप आकर समझाते हैं | अभी तुमको कितनी समझ मिली है | सो भी नम्बरवार समझते हैं, ड्रामा अनुसार |

✓तुम बच्चे अन्धों की लाठी बनते हो बाप का परिचय देने के लिए |

✓नॉलेजफुल बन सर्व व्यर्थ के प्रश्नों को यज्ञ में स्वाहा करने वाले निर्विघ्न भव !

✓अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |